SarkariExam.com

04 अगस्त 2021

1. पश्चिमी घाट में मेंढक की खोजी गई एक नई प्रजाति

- हाल ही में पश्चिमी घाट में मेंढक की एक नई प्रजाति की खोज की गई और इसका नाम डीयू के पूर्व कुलपति और पादप आनुवंशिकीविद् 'दीपक पेंटल' के नाम पर रखा गया। मिनरवेरिया पेंटाली (Minervarya Pentali) नाम की नई मेंढक प्रजाति 'डिक्रोग्लोसिडे' (Dicroglossidae) परिवार से संबंधित है।
- 'डिक्रोग्लोसिडे' परिवार में अफ्रीका और एशिया के उष्णकटिबंधीय व उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों तथा पापुआ न्यू गिनी द्वारा वितरित अर्द्धजलीय मेंढकों की 202 प्रजातियाँ शामिल हैं। परिवार में बड़े आकार (जैसे-जीनस होपलोबैट्राचस) और बौनी प्रजातियाँ (जैसे-जीनस ननोफ्रीज़) शामिल हैं, जिनकी कुल लंबाई लगभग 30 मिमी. है।
- यह पश्चिमी घाट जैव विविधता हॉटस्पॉट से खोजा गया था, जो भारतीय प्रायद्वीप के दक्षिण-पश्चिमी तट तक फैला हुआ है। यह नई प्रजाति दक्षिणी-पश्चिमी घाट के लिये स्थानिक है। यह प्रजाति सबसे छोटे ज्ञात 'मिनरवेरिया' (जीनस) मेंढकों में से एक है।

पश्चिमी घाट

- ये भारत के पश्चिमी तट के समानांतर चलने वाली पर्वत शृंखलाएँ हैं जो गुजरात से शुरू होकर तमिलनाडु में समाप्त होती हैं। गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल छह भारतीय राज्य हैं जो पश्चिमी घाट से आच्छादित हैं।
- पर्वत शृंखला जैव विविधता का "हॉटेस्ट हॉटस्पॉट" भी है। पश्चिमी घाट को अक्सर 'भारत का ग्रेट एस्कार्पमेंट' कहा जाता है और यह यूनेस्को का विश्व धरोहर स्थल भी है। सदाबहार वनों की उपस्थिति के साथ-साथ उच्च जैव विविधता और स्थानिकता पश्चिमी घाट की विशेषताएँ हैं।

SarkariExam.com

SarkariExam.com

2. हवाई द्वीप पर लगी अब तक की सबसे भीषण आग

- हाल ही में प्रशांत महासागर में स्थित हवाई द्वीप पर सूखे की वजह से भीषण आग की घटना देखी गई है। इस घटना से हवाई के 40000 एकड़ से अधिक का भू-भाग आग की चपेट में आ गया है। यह इस द्वीप पर अब तक की सबसे बड़ी आग की घटना है।
- इस घटना के बाद हजारों लोगों के मजबूरीवश अपने घरों को खाली करना पड़ा है। आपको बता दें कि हवाई में लगी आग अमेरिका के पश्चिमी इलाके में लगने वाली कई आग की घटनाओं के विपरीत है।
- हालाँकि हवाई द्वीप की जलवायु आर्द्र और उष्णकटिबंधीय प्रकार की है जिस वजह से यहाँ आग जैसी घटना का खतरा नहीं रहता है लेकिन US Drought Monitor के मुताबिक बीते कुछ सालों से इस द्वीप पर ऑवरऑल रेनफॉल में गिरावट देखी गई है। इस वजह से हाल के वर्षों में हवाई के कुछ हिस्सों में सूखे की स्थिति सबसे गंभीर स्तर पर पहुँच गई है।

❑ हवाई द्वीप

- हवाई द्वीप को बिग आईलैंड के नाम से भी जाना जाता है। 16638 वर्ग किलोमीटर के भूमि भाग में फैला यह द्वीप संयुक्त राज्य अमेरिका के दक्षिण- पश्चिम में प्रशांत महासागर में स्थित है। यह दुनिया की सबसे बड़े द्वीपीय श्रंखला है। इसमें 137 ज्वालामुखी द्वीप शामिल है। यह अमेरिका का एकमात्र ऐसा राज्य है जो पूरी तरह से द्वीपों से बना है।

3. भारत-चीन सेना ने सिक्किम में छठी हॉटलाइन की स्थापित

- हाल ही में सिक्किम में वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) पर किसी तरह की झड़प से बचने और विश्वास तथा सौहार्दपूर्ण संबंधों को बढ़ाने के लिये दोनों देशों की तरफ से अहम पहल हुई है। उत्तरी सिक्किम के कोंगरा ला में भारतीय सेना और तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र के खंबा दजोंग में चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (PLA) के बीच हॉटलाइन स्थापित की गई। 01 अगस्त को PLA दिवस भी मनाया गया था। दोनों देशों के बीच यह छठी हॉटलाइन है। इसके साथ ही पूर्वी लद्दाख, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में

SarkariExam.com

दोनों सेनाओं के बीच दो-दो हॉटलाइन हो गई हैं।

- दोनों देशों के सशस्त्र बलों के पास कमांडर स्तर पर संचार के लिये सुस्थापित तंत्र हैं। विभिन्न सेक्टरों में स्थापित ये हॉटलाइन संवाद को मज़बूत करने और सीमाओं पर शांति तथा सौहार्द बनाए रखने में अहम योगदान करती हैं।
- सेना के अनुसार, हॉटलाइन के उद्घाटन अवसर पर दोनों तरफ की सेनाओं के कमांडर उपस्थित थे एवं हॉटलाइन के माध्यम से मित्रता एवं सद्भाव के संदेश का अदान-प्रदान किया गया।

4. प्रसिद्ध कत्थकली प्रतिपादक वासुदेवन नंबूथिरी का हुआ निधन

- 02 अगस्त, 2021 को पौराणिक कत्थकली प्रतिपादक नेल्लीयोडु वासुदेवन नंबूथिरी का 81 साल की आयु में कैंसर की वजह से निधन हो गया है। वे शास्त्रीय नृत्य नाटक में नकारात्मक चुवन्ना पात्रों (लाल दाढ़ी) के लिए पहचाने जाते थे।
- काली, दुशासन और बकन जैसे नकारात्मक पात्रों के अलावा वे कुचेलन जैसी पवित्र भूमिका निभाने वालों के लिए भी जाने जाते थे। नंबूथिरी संस्कृत और हिंदू पुराणों के विद्वान थे। उन्हें केंद्रीय संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, केरल संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, केरल राज्य कत्थकली पुरस्कार सहित कई पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है।

❑ भारतीय शास्त्रीय नृत्य

- भारतीय शास्त्रीय नृत्य की प्रमुख शैलियाँ 8 हैं- कत्थक, भरतनाट्यम, कत्थकली, मणिपुरी, ओडिसी, कुचीपुड़ी, सत्रीया एवं मोहिनीअट्टम। शास्त्रीय नृत्यों में तांडव (शिव) और लास्य (पार्वती) दो प्रकार के भाव परिलक्षित होते हैं।

1. भरतनाट्यम (तमिलनाडु)
2. कत्थकली (केरल)
3. मणिपुरी (मणिपुर)
4. ओडिसी (ओडिशा)
5. कुचीपुड़ी (आंध्र प्रदेश)
6. मोहिनीअट्टम (केरल)
7. सत्रीया (असम)
8. कत्थक (उत्तर प्रदेश, जयपुर)

❑ कत्थकली (केरल)

- कत्थकली अभिनय, नृत्य और संगीत तीनों का समन्वय है। यह एक मूकाभिनय है जिसमें हाथ के इशारों और चेहरे की भावनाओं के सहारे अभिनेता अपनी प्रस्तुति देता है। इस नृत्य के विषयों को रामायण, महाभारत और हिन्दू पौराणिक कथाओं से लिया जाता है तथा देवताओं या राक्षसों को दर्शाने के लिये अनेक प्रकार के मुखौटे लगाए जाते हैं।
- केरल के सभी प्रारंभिक नृत्य और नाटक जैसे- चकइरकोथू, कोडियाट्टम, मुडियाअट्टू, थियाट्टम, थेयाम, सस्त्राकली, कृष्णाअट्टम तथा रामाअट्टम आदि कत्थकली की ही देन हैं। इसे मुख्यत: पुरुष नर्तक ही करते हैं, जैसे - मकुंद राज,

कोप्पन नायर, शांता राव, गोपीनाथन कृष्णन, वी.एन. मेनन आदि।

5. खाद्य कृषि संगठन तथा विश्व खाद्य कार्यक्रम ने हंगर हॉटस्पॉट्स नाम से जारी की एक रिपोर्ट

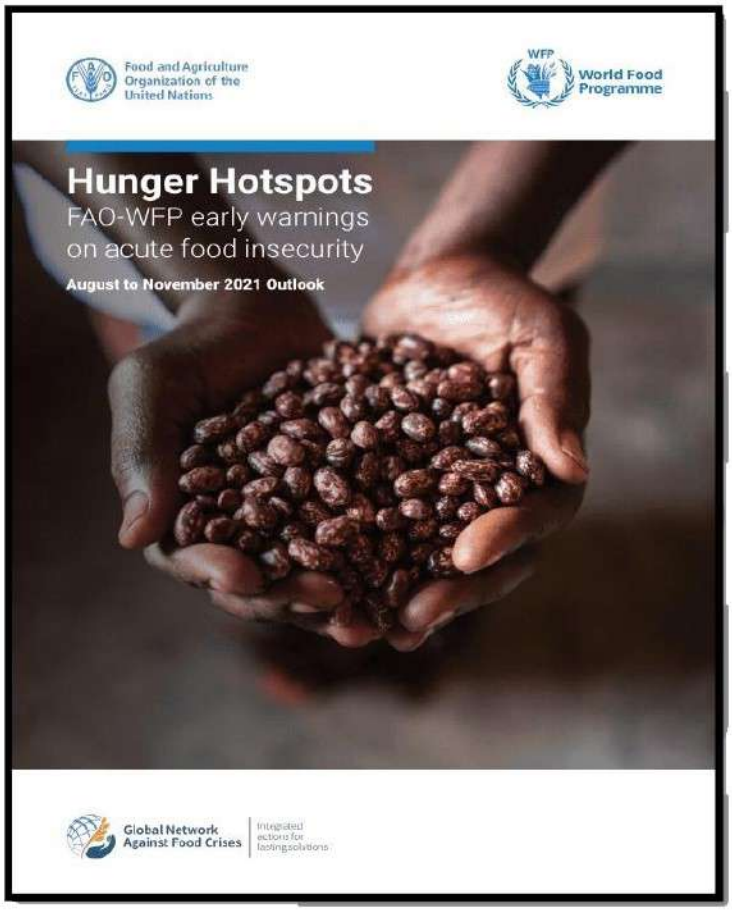

- हाल ही में खाद्य और कृषि संगठन तथा विश्व खाद्य कार्यक्रम ने 'हंगर हॉटस्पॉट्स - अगस्त से से नवंबर 2021' (Hunger Hotspots - August to November 2021) नाम से एक रिपोर्ट जारी की। मई, 2021 में जारी वर्ष 2021 की ग्लोबल फूड क्राइसिस (Global Food Crises Report) रिपोर्ट में पहले ही तीव्र खाद्य असुरक्षा की चेतावनी दी गई थी, इसके अनुसार खाद्य असुरक्षा अपने पांच वर्ष के उच्च स्तर पर पहुंच गई थी, जिसके कारण वर्ष 2020 में कम-से-कम 155 मिलियन लोग तीव्र खाद्य असुरक्षा के चक्र में फँस चुके थे।

प्रमुख हंगर हॉटस्पॉट्स

- इथियोपिया, मेडागास्कर, दक्षिण सूडान, उत्तरी नाइजीरिया और यमन उन 23 देशों में शामिल हैं जहां अगस्त से नवंबर, 2021 तक खाद्य असुरक्षा की स्थिति तीव्रता से और अधिक खराब जाएगी। इथियोपिया और मेडागास्कर विश्व के सबसे नए "उच्चतम अलर्ट" भूख वाले हॉटस्पॉट हैं।
- इथियोपिया एक विनाशकारी खाद्य आपातकाल का सामना कर रहा है जिसका कारण टाइग्रे क्षेत्र में चल रहा संघर्ष है। इस बीच दक्षिणी मेडागास्कर में 40 वर्षों में सबसे भीषण सूखे के कारण वर्ष 2021 के अंत तक 28,000 लोगों के अकाल जैसी स्थिति का सामना करने की आशंका है।

खाद्य और कृषि संगठन

- खाद्य और कृषि संगठन (FAO) संयुक्त राष्ट्र (UN) की एक विशेष एजेंसी है जो भूख को समाप्त करने के लिये अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों का नेतृत्त्व करती है। प्रत्येक वर्ष विश्व में 16 अक्तूबर को विश्व खाद्य दिवस मनाया जाता है। खाद्य और कृषि संगठन की स्थापना वर्ष 1945 में संयुक्त राष्ट्र संघ के तहत की गई थी।
- यह संयुक्त राष्ट्र के खाद्य सहायता संगठनों में से एक है जो रोम (इटली) में स्थित है। इसके अलावा विश्व खाद्य कार्यक्रम और कृषि विकास के लिये अंतर्राष्ट्रीय कोष (IFAD) भी इसमें शामिल हैं।

विश्व खाद्य कार्यक्रम

- विश्व खाद्य कार्यक्रम (WFP) एक अग्रणी मानवीय संगठन है जो आपात स्थिति में लोगों के जीवन को बचाने और परिवर्तन हेतु खाद्य

सहायता प्रदान करता है, यह पोषण स्तर में सुधार करने एवं लचीलापन लाने हेतु समुदायों के साथ मिलकर कार्य करता है। इसे भुखमरी को समाप्त करने के प्रयासों के लिये वर्ष 2020 का नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया था।

- इसकी स्थापना वर्ष 1961 में 'खाद्य एवं कृषि संगठन' (FAO) तथा 'संयुक्त राष्ट्र महासभा' (UNGA) द्वारा अपने मुख्यालय रोम, इटली में की गई थी। WFP आपातकालीन सहायता के साथ-साथ पुनर्वास एवं विकास सहायता पर भी केंद्रित है। इसका दो-तिहाई काम संघर्ष प्रभावित देशों में होता है, जहाँ अन्य जगहों की तुलना में लोगों के तीन गुना कुपोषित होने की संभावना है।

6. 120 से अधिक देशों में मनाया जा रहा है विश्व स्तनपान सप्ताह

- 01 अगस्त से 07 अगस्त, 2021 तक विश्व स्तनपान सप्ताह (World Breastfeeding Week) मनाया जा रहा है। विश्व स्तनपान सप्ताह एक वार्षिक उत्सव है जो हर साल 120 से अधिक देशों में आयोजित किया जाता है। इस वर्ष विश्व स्तनपान सप्ताह की थीम स्तनपान की रक्षा करें: एक साझा जिम्मेदारी (Protect Breastfeeding: A Shared Responsibility) है।
- स्तनपान को प्रोत्साहित करने और दुनिया भर में शिशुओं के स्वास्थ्य में सुधार के लिए विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, बच्चे के स्वास्थ्य और अस्तित्व को सुनिश्चित करने के लिए स्तनपान सबसे प्रभावी तरीका है।
- विश्व स्तनपान सप्ताह स्मरणोत्सव की पृष्ठभूमि 1990 के दशक की है जब WHO और यूनिसेफ ने स्तनपान को बढ़ावा देने और समर्थन करने के लिए 'Innocenti Declaration' बनाया था।
- यूनिसेफ और WHO के लक्ष्यों को क्रियान्वित करने के लिए 1991 में 'World Association of Breastfeeding Action' नामक एक एसोसिएशन की स्थापना की गई थी। 1992 में, इस अभियान को बढ़ावा देने के लिए पूरे सप्ताह को समर्पित किया गया था।
- स्तनपान शिशुओं को आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करने का सबसे अच्छा तरीका है जो वृद्धि और विकास के लिए आवश्यक हैं। WHO के अनुसार, मां का दूध शिशुओं के लिए आदर्श भोजन है। यह सुरक्षित, स्वच्छ और उनके लिए पहले टीके के रूप में कार्य करता है।
- यह उन्हें कई सामान्य बचपन की बीमारियों से बचाता है। भारत के स्वास्थ्य और परिवार

कल्याण मंत्रालय के अनुसार, स्तनपान शिशु की प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाने में मदद करता है, शिशु मृत्यु दर को कम करता है, श्वसन पथ के संक्रमण, एलर्जी रोग, मधुमेह और बचपन के ल्यूकेमिया जैसे संक्रमणों के विकास के जोखिम को कम करता है।

7. जुलाई-सितंबर 2020 में बेरोजगारी दर बढ़कर हुई 13.3 प्रतिशत

- हाल ही में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (National Statistical Office- NSO) ने आठवां आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (Periodic Labour Force Survey) प्रकाशित किया है। इस सर्वे के मुताबिक जुलाई-सितंबर 2020 की अवधि में भारत में बेरोजगारी दर बढ़कर 13.3% हो गई है।
- इस सर्वेक्षण के अनुसार, अप्रैल-जून 2020 में बेरोजगारी दर 20.9% थी। बेरोजगारी दर को श्रम बल में बेरोजगार व्यक्तियों के प्रतिशत के रूप में परिभाषित किया गया है। सितंबर, 2020 में सभी उम्र के लिए श्रम बल की भागीदारी दर 37% थी। अप्रैल-जून 2020 में श्रम बल की भागीदारी दर 35.9% थी।
- जुलाई-सितंबर 2019 की बात करें तो उस समय बेरोजगारी की दर 8.4% थी। NSO के आंकड़ों के मुताबिक, कुल वर्कर पॉपुलेशन के अनुपात में जुलाई-सितंबर 2019 में 52.1% पुरुषों के पास रोजगार था जबकि 14.5% जॉब महिलाओं के पास था। यानी कुल 33.7% वर्कर आबादी काम कर रही थी।
- अप्रैल-जून 2020 में 44% पुरुष काम कर रहे थे जबकि 12.2% महिलाओं के पास काम था। जुलाई-सितंबर 2020 में 49.9% पुरुषों के पास काम था जबकि 13.6% महिलाओं के पास काम था। कुल 32.1% लोगों के पास काम था।

श्रम बल (Labour Force)

- यह जनसंख्या के उस हिस्से को संदर्भित करता है जो वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन के लिए आर्थिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए श्रम की आपूर्ति करता है। इसमें नौकरीपेशा और बेरोजगार दोनों तरह के लोग शामिल हैं।

आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (Periodic Labour Force Survey – PLFS)

- NSO द्वारा अप्रैल, 2017 में आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण शुरू किया गया था। PLFS के आधार पर, तिमाही बुलेटिन श्रम बल संकेतकों जैसे बेरोज़गारी दर, श्रमिक जनसंख्या अनुपात, श्रम बल भागीदारी दर, श्रमिकों के वितरण का अनुमान देकर प्रदान किया जाता है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग

- जनवरी, 2000 में सरकार ने डॉ. सी. रंगराजन की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया जिसका उद्देश्य देश की समस्त सांख्यिकी प्रणाली तथा सरकार के सांख्यिकी आँकड़ों की समीक्षा करना था।
- अगस्त, 2000 में डॉ. सी. रंगराजन द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट में सांख्यिकी के लिये एक राष्ट्रीय आयोग

के गठन की बात कही गई। इसका कार्य देश की सभी प्रमुख सांख्यिकी गतिविधियों की निगरानी, विकास तथा इनके लिये उत्तरदायी विभिन्न संस्थाओं के मध्य सहयोग स्थापित करना था।

- रंगराजन समिति का सुझाव था कि शुरुआत में इस आयोग का गठन सरकार के आदेश द्वारा हो। समिति की अनुशंसा पर 1 जून, 2005 को राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग का गठन किया गया।
- इसमें एक अध्यक्ष, चार सदस्य, एक पदेन सदस्य तथा भारत के मुख्य सांख्यिकीविद् को NSC का सचिव बनाया गया। वर्तमान में नीति आयोग का मुख्य कार्यकारी अधिकारी (Chief Executive Officer-CEO) NSC का पदेन सदस्य सदस्य (Ex-Officio Member) होता है। सांख्यिकी तथा कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के सचिव को भारत का मुख्य सांख्यिकीविद् (Chief Statistician of India-CSI) कहा जाता है।

8. सीमा पर तनाव कम करने हेतु भारत और चीन के बीच 12वें दौर की सैन्य स्तरीय वार्ता की गई आयोजित

- हाल ही में पूर्वी लद्दाख में गतिरोध को हल करने के लिए भारत और चीन के वरिष्ठ सैन्य कमांडरों के बीच 12वें दौर की चर्चा हुई जिसमें दोनों ने सीमा पर तनाव कम करने हेतु सैद्धांतिक रूप से पूर्वी लद्दाख में एक प्रमुख गश्ती बिंदु पर अलगाव की सहमति व्यक्त की है। 11वीं कोर कमांडर स्तर की वार्ता अप्रैल, 2021 में हुई थी जब दोनों पक्ष एक संयुक्त बयान पर भी सहमत नहीं हो पाए थे।

हालिया घटनाक्रम

- भारत और चीन की सेना के मध्य पेट्रोलिंग प्वाइंट (PP) 17A (गोगरा पोस्ट) पर समझौता हो गया था लेकिन चीन PP15 (हॉट स्प्रिंग्स क्षेत्र) से पीछे हटने को इच्छुक नहीं है, वह इस बात पर ज़ोर देता है कि यह क्षेत्र उसकी वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) के अधीन है। PP17A में अलगाव की उस प्रक्रिया का पालन करने की संभावना है जिसे PP14 के लिए गलवान घाटी और पैंगोंग त्सो में अपनाया गया

था, जहाँ वापसी के लिए एक समय-सीमा निर्धारित की गई थी।

- दोनों पक्ष मौजूदा समझौतों और प्रोटोकॉल के अनुसार इन शेष मुद्दों को शीघ्रता से हल करने तथा बातचीत एवं वार्ता की गति को बनाए रखने पर सहमत हुए। वे इस बात पर भी सहमत हुए कि अंतरिम तौर पर वे पश्चिमी क्षेत्र में एलएसी के साथ स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए अपने प्रभावी प्रयास जारी रखेंगे और संयुक्त रूप से शांति बनाए रखेंगे।

- **पेट्रोलिंग प्वाइंट 15 और 17A**

- भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) के साथ भारतीय सेना को कुछ ऐसे स्थान दिये गए हैं, जहाँ इसके सैनिकों की पहुँच अपने नियंत्रण वाले क्षेत्र में गश्त करने तक है।
- इन पॉइंट्स को पेट्रोलिंग प्वाइंट या PP के रूप में जाना जाता है और इनका निर्धारण चीन स्टडी ग्रुप (CAG) द्वारा तय किया जाता है। CSG की स्थापना वर्ष 1976 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के काल के दौरान हुई थी और यह चीन के संदर्भ में निर्णय लेने वाली सर्वोच्च संस्था हैं।
- डेपसांग मैदानों जैसे कुछ क्षेत्रों को छोड़कर, ये पेट्रोलिंग प्वाइंट LAC पर ही स्थित हैं और सैनिक इन बिंदुओं तक पहुँच कर क्षेत्र पर अपना नियंत्रण स्थापित करते हैं। यह एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है क्योंकि भारत और चीन के बीच की सीमा अभी तक आधिकारिक रूप से सीमांकित नहीं हुई है।
- LAC वह सीमांकन है जो भारत-नियंत्रित क्षेत्र को चीन-नियंत्रित क्षेत्र से अलग करता है। PP15 और PP17A, वास्तविक नियंत्रण रेखा के साथ लद्दाख में स्थित 65 पेट्रोलिंग पॉइंट्स में से दो हैं। ये दोनों पॉइंट्स ऐसे क्षेत्र में हैं जहाँ भारत और चीन LAC के संरेखण पर काफी हद तक सहमत हैं। PP15 हॉट स्प्रिंग्स के रूप में पहचाने जाने वाले क्षेत्र में स्थित है, जबकि PP17A गोगरा पोस्ट नामक क्षेत्र के पास है।

- **पैंगोंग त्सो झील**

- पैंगोंग झील केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख में स्थित है। यह लगभग 4,350 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है और विश्व की सबसे ऊँची खारे पानी की झील है। लगभग 160 किमी. तक फैली पैंगोंग झील का एक-तिहाई हिस्सा भारत में और अन्य दो-तिहाई चीन में स्थित है।

- **गलवान घाटी**

- गलवान घाटी सामान्यतः उस भूमि को संदर्भित करती है, जो गलवान नदी के पास मौजूद पहाड़ियों के बीच स्थित है। गलवान नदी का स्रोत चीन की ओर अक्साई चिन में मौजूद है और आगे चलकर यह भारत की श्योक नदी से मिलती है। घाटी रणनीतिक रूप से पश्चिम में लद्दाख और पूर्व में अक्साई चिन के बीच स्थित है, जो वर्तमान में चीन द्वारा अपने झिंजियांग उइघुर स्वायत्त क्षेत्र के हिस्से के रूप में नियंत्रित है।

9. भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के डिजाइन के वास्तुकार पिंगली वेंकैया की मनाई गई जयंती

- हाल ही में पिंगली वेंकैया की जयंती के अवसर पर उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू और केंद्रीय मंत्रिमंडल के अन्य सदस्यों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। वर्ष 2021 में पिंगली वेंकय्या की 145वीं वर्षगांठ है। पिंगली वेंकैया भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के डिजाइन के वास्तुकार थे। भारत का वर्तमान राष्ट्रीय ध्वज पिंगली वेंकैया के डिजाइन से प्रेरित है। इस प्रकार, उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज के माध्यम से भारत को विशिष्ट पहचान दी।
- किसी भी देश की पहचान उसके अद्वितीय ध्वज, प्रतीक और गान से होती है। झंडा एक प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति है। भारत का राष्ट्रीय ध्वज इसके मूल्यों और विचारों का प्रतिनिधित्व करता है।
- शीर्ष पर केसरिया रंग शक्ति और साहस का प्रतीक है, बीच में सफेद रंग शांति और सच्चाई का प्रतिनिधित्व करता है जबकि नीचे हरा रंग उर्वरता, विकास और भूमि की शुभता का प्रतीक है। अशोक चक्र की 24 तीलियाँ इस बात का प्रतीक हैं कि गति में ही जीवन है।

पिंगली वेंकैया

- वह एक भारतीय स्वतंत्रता सेनानी थे जिनका जन्म 1876 में हुआ था। उनका जन्म और पालन-पोषण आंध्र प्रदेश में एक तेलुगु ब्राह्मण परिवार में हुआ था। हनुमंतरायडू उनके पिता थे। उन्होंने मद्रास में अपनी हाई स्कूल की पढ़ाई पूरी की और स्नातक स्तर की पढ़ाई के लिए कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय चले गए। वे एक गांधीवादी, कृषक, शिक्षाविद, भाषाविद्, भूविज्ञानी और लेखक थे।

राष्ट्रीय ध्वज का इतिहास

1. वर्ष 1906: भारत का पहला राष्ट्रीय ध्वज संभवतः 7 अगस्त, 1906 को कोलकाता में पारसी बागान स्क्वायर (ग्रीन पार्क) में फहराया गया था। इस ध्वज में लाल, पीले एवं हरे रंग की तीन क्षैतिज पट्टियाँ शामिल थीं, जिनके मध्य में 'वंदे मातरम' लिखा हुआ था। झंडे पर लाल रंग की पट्टी में सूर्य और अर्द्धचंद्र का प्रतीक था और हरे रंग की पट्टी में आठ आधे खुले कमल थे।
2. वर्ष 1907: मैडम भीकाजी कामा और निर्वासित क्रांतिकारियों के समूह द्वारा वर्ष 1907 में जर्मनी में भारतीय ध्वज फहराया गया जो विदेशी भूमि में फहराया जाने वाला पहला भारतीय ध्वज था।
3. वर्ष 1917: डॉ. एनी बेसेंट और लोकमान्य तिलक द्वारा होम रूल आंदोलन के दौरान एक नए झंडे को अपनाया गया। यह पाँच वैकल्पिक लाल रंग एवं चार हरी क्षैतिज पट्टियों में मिलकर बना था जिसमें सप्तऋषि विन्यास में सात सितारे थे। इस संयुक्त ध्वज में एक सफेद एवं अर्द्धचंद्राकार तारा ध्वज़ के शीर्ष कोने पर विद्यमान था।

4. वर्ष 1931: कॉन्ग्रेस समिति की कराची में बैठक में तिरंगे को (पिंगली वेंकैया द्वारा प्रस्तावित) भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाया गया। ध्वज के लाल रंग को केसरी रंग से बदल दिया गया एवं रंगों का क्रम बदला गया। इस ध्वज की कोई धार्मिक व्याख्या नहीं की गई थी। ध्वज के शीर्ष पर स्थित केसरी रंग 'ताकत और साहस' का प्रतीक है, मध्य में सफेद रंग 'शांति और सच्चाई' का प्रतिनिधित्व करता है एवं ध्वज के नीचे स्थित हरा रंग 'भूमि की उर्वरता, वृद्धि और शुभता' का प्रतीक है।

- ध्वज में विद्यमान चरखे को 24 तीलियों से युक्त अशोक चक्र द्वारा प्रतिस्थापित किया गया। इसका उद्देश्य यह दिखाना है कि ' गति में जीवन है और स्थायित्त्व में मृत्यु है'। राष्ट्रीय ध्वज आयताकार आकर में होना चाहिये जिसकी लंबाई एवं चौड़ाई क्रमश 3:2 के अनुपात में हो।

❑ **संवैधानिक एवं कानूनी पक्ष**

- संविधान सभा द्वारा 22 जुलाई, 1947 को राष्ट्रीय ध्वज के प्रस्ताव को अपनाया गया। इस प्रस्ताव में कहा गया है कि 'भारत का राष्ट्रीय ध्वज गहरे केसरिया (केसरी), समान अनुपात में सफेद और गहरा हरे रंग का तिरंगा होगा' सफेद पट्टी में गहरे नील रंग का चक्र (चरखे द्वारा प्रतिस्थापित) है , जो अशोक की सारनाथ स्थित राजधानी के सिंह स्तंभ पर उपस्थित है।
- संविधान सभा की समितियों में से एक, राष्ट्रीय ध्वज पर गठित तदर्थ समिति के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद थे।
- संविधान का भाग IV-A (जिसमें केवल एक अनुच्छेद 51-A शामिल है) ग्यारह मौलिक कर्तव्यों को निर्दिष्ट करता है। अनुच्छेद 51 ए (ए) के अनुसार, भारत के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य होगा कि वह संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों और संस्थानों, राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान का सम्मान करे।
- एक व्यक्ति जो राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 के तहत वर्णित निम्नलिखित अपराधों के लिये दोषी पाया जाता है, उसे 6 वर्ष तक के लिये संसद एवं राज्य विधानमंडल के चुनावों में लड़ने के लिये अयोग्य घोषित किया जाता है। इन अपराधों में शामिल है- 1. राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करना। 2. भारत के संविधान का अपमान करना। 3. राष्ट्रगान गाने से रोकना।

10. खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने पैरालंपिक थीम-गीत कर दे कमाल तू किया जारी

- 03 जुलाई, 2021 को युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने नई दिल्ली में भारतीय पैरालंपिक दल के थीम-गीत 'कर दे कमाल तू' को जारी किया। 'कर दे कमाल तू' गीत को दिव्यांग क्रिकेट खिलाड़ी संजीव सिंह ने लिखा और गाया है, जो लखनऊ के रहने वाले हैं। भारतीय पैरालंपिक समिति का विचार था कि समावेशिता के प्रतीक के रूप में दिव्यांग

समुदाय के किसी व्यक्ति से गीत लिखवाया जाए।

- इस गीत के बोल न केवल खिलाड़ियों में जोश भरते हैं, बल्कि किसी भी तरह की शारीरिक बाध्यता का सामना करने वाले व्यक्तियों को भी प्रेरणा देते हैं कि वे खुद को कभी कमतर न समझें और यह कि वे हर क्षेत्र में चमत्कार कर सकते हैं।
- भारत, टोक्यो ओलंपिक की 9 खेल प्रतिस्पर्धाओं में 54 पैरा-खिलाड़ियों के साथ अपना अब तक का सबसे बड़ा दल भेज रहा है।
- इस गीत के रचयिता और गायक संजीव सिंह ने यह महसूस किया कि यह केवल उनके लिए ही नहीं बल्कि पूरे समूह के लिए गौरव का पल है। संजीव सिंह ने कहा कि वास्तव में यह रियो 2016 पैरा गेम्स में खिलाड़ी के तौर पर डॉ. दीपा मलिक की उपलब्धि है, जिनसे उन्हें उन पर कविता लिखने की प्रेरणा मिली और जिसने इस थीम-सॉन्ग का रूप लिया है।
- संजीव कहते हैं, 'मैं यही चाहता हूं कि यह गीत पैरा-एथलीटों को अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करे। वे अपने जीवन में पहले से ही विजेता हैं, लेकिन अगर वे जीत के साथ पदक प्राप्त करते हैं तो उस पदक के साथ पूरे देश का ध्यान उनकी ओर आकर्षित होगा और देश भी गौरवान्वित होगा।'